Aug 2000
1

प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई दिनांक 15.8.2000 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए ।

==========

बहनो, भाइयो, नौजवान मित्रो, तथा मेरे प्यारे बच्चो,

आजादी की सालगृह पर आप सभी को बहुत बहुत बधाई । आप जहां कहीं भी हैं, फिर वह हिमालय की चोटी हो या हिन्द महासागर का किनारा, राजस्थान की तपती बालू हो, या पूर्वान्चल के हरे भरे जंगल, मेरी बधाई आप सब तक पहुंचे । आज रक्षाबन्धन का भी त्यौहार है, स्नेह की शक्ति एक साधारण कच्चे धागे को भी अटूट रिश्ते में बदल देती है । इस मौके पर हम सभी देशवासियों को विशेषकर बहनो को शुभकामनाएं देते हैं ।

इस वर्ष का पन्द्रह अगस्त, नई शताब्दी का पहला स्वतन्त्रता दिवस है । बीती सदी पर एक नजर डालकर हमें नई सदी की चुनौतियों को अवसर में बदलना है । हमें इस आजादी को अमर बनाना है । देश की रक्षा के संकल्प को आज दोहराना है । आज पुण्य स्मरण का दिन है, आत्म निरीक्षण का अवसर है । हम सभी ज्ञात और अज्ञात शहीदों को अपने श्रद्धा सुमन समर्पित करते है । उनकी शहादत की याद हमारे हृदयों में हमेशा जीवित रहेगी । उनका बलिदान हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा । आज के दिन हम महात्मा गांधी जी को विशेष रूप से याद करते हैं । वे स्वतन्त्रता आन्दोलन के सबसे अग्रणी नेता तो थे ही, बीसवीं सदी के महानतम व्यक्तियों में से भी एक थे । आज के पावन दिन पर हम विश्व के सभी देशों के लोगों को अपनी शुभेच्छा भेजते हैं । हम कामना करते हैं, कि 21 वीं सदी शताब्दी पूरे विश्व में शान्ति बन्धुत्व, सहकार तथा उत्तरोत्तर प्रगति का संदेश लेकर आये । आज हम विदेशों में रह रहे लाखों भारतीयों और भारतीय मूल के लोगों को भी अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं । जहां कहीं भी रह रहे हैं, वे भावनात्मक रूप से भारत से जुड़े हैं । हम उनकी सफलता और खुशहाली की कामना करते हैं ।

आज उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश के राज्यों के पुर्नगठन के पश्चात भारत के नक्शे पर जो तीन नये राज्य उभरे हैं उनके निवासियों को भी मैं बधाई देता हूं । हमें विश्वास है कि छत्तीस गढ़, उत्तरांचल तथा झारखण्ड के नये राज्य शीघ्र ही भारत संघ में अपना समुचित स्थान

.....2

182

स्थान प्राप्त कर लेंगे । हम इन राज्यों के निर्माण के अपने वादे को पूरा करने में सफल हुए हैं । हम इन राज्यों के निर्माण में, निर्माण के साथ अब विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं । ये काम हम सब को मिलकर करना है । जिससे की वो सफलता के उदाहरण बन सकें । नई शताब्दी युवकों की शताब्दी है, हजारों साल से चला आ रहा भारत आज युवा राष्ट्र बन गया है । हमारी कुल आबादी के लगभग 70 प्रतिशत लोग ऐसेहैं जिनकी आयु 35 वर्ष से कम है । ये युवक और युवतियां पहले की अपेक्षा कहीं अधिक महत्वाकांक्षी, जागरूक और सक्रिय है । वे न केवल बड़ी बड़ी कल्पनाएं ही करते हैं बल्कि उन्हें साकार करने के लिए जी तोड़ मेहनत भी करते हैं । भारत की युवा पीढ़ी से मुझे पूरा विश्वास है । हमारी ये जिम्मेदारी है कि हम अपने युवक युवतियों की पूरी पूरी सहायता करें । ताकि वे अपना भविष्य बनाने के साथ साथ देश का भविष्य भी बना सकें ।

प्यारे देशवासियो, पिछले वर्ष जब मैंने लाल किले की इस प्राचीर से आपको सम्बोधित किया था तो उस समय देश में एक असामान्य परिस्थिति थी । लोकसभा भंग कर दी गयी थी और नये संसदीय चुनावों की घोषणा कर दी गयी थी । ऐसी परिस्थिति में कारगिल में आक्रमण का सामना करना पड़ा । भारत उसमें विजयी हुआ । एक साल बाद देश में जनतन्त्र और मजबूत हो गया है । भारत की अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा बढ़ी है । दुनिया की राजधानियों में अब हमारी बात गौर से सुनी जाती है । भारत आगे बढ़ रहा है । आत्मविश्वास से भरा भारत प्रगति की ओर अग्रसर है । एक ऐसा भारत जो सभी तरह की विषम परिस्थितियों में उसी तरह विजयी होने के लिए कृतसंकल्प है जिस तरह से हमारे बहादुर जवानों तथा वायुसैनिकों ने दुश्मन की फौज को खदेड़ दिया था । कारगिल के युद्ध तथा उससे पहले के सभी लड़ाईयों के वीर सैनानियों के प्रति हमारे हृदय में जो कृतज्ञता का भाव है, वो सदा प्रज्वलित रहेगा । पाकिस्तान की भयंकर भूल होगी यदि वो इस भ्रम में रहे कि वर्तमान अघोषित युद्ध के द्वारा वो कुछ भी हासिल कर सकता है । काश्मीर भारत का अटूट अंग है और रहेगा । हमारे पड़ौसी को यह समझ लेना चाहिए कि वक्त की घड़ी को पीछे घुमाया नहीं जा सकता । पाकिस्तान के शासकों और अवाम को भी मैं हमारे एक विख्यात शायर साहिर लुधियानवी की पंक्तियों पर गौर करने की सलाह देना चाहता हूं । पंक्तियां इस प्रकार हैं-

.....3

वह वक्त गया, वह दौर गया, जब दो कौमों का नारा था, ।
वो लोग गये इस धरती से, जिनका मकसद बटवारा था ।।
अब एक हैं सब हिन्दुस्तानी, अब एक हैं सब हिन्दुस्तानी,
ये जान ले सारा हिन्दुस्तान, ये जान ले सारा जहान,
ये जान ले सारा जहान ।।"

इक्कीसवीं सदी हमें इस बातकी इजाजत नहीं देती कि मजहब के नाम पर या तलवार के जोर पर देश की सीमाएं बदली जायें । यह विवादों को सुलझाने का युग है । न कि झगड़ों को लम्बे समय तक उलझाये रखने का । जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख की जनता खून खराबे से तंग आ गयी है । वो अमन चाहती है । जम्मू कश्मीर के घायल जिस्म पर भाई चारे का मरहम लगाने की जरूरत है । इसीलिए हाल ही में मैंने कहा था कि भारत इंसानियत के दायरे में कश्मीर के दर्द की दवा करना चाहता है । दुनिया ने देखा है कि हाल में कश्मीर में लड़ाई बंद करने और शान्ति की प्रक्रिया शुरू करने में किस की ओर से अड़चन हुई । किसने इन प्रयासों में सुरंग लगाई । पाकिस्तान एक ओर तो बातचीत में भाग लेने की उत्सुकता दिखाता है, दूसरी ओर वह हिंसा, हत्या, और सीमा पार आतंकवाद से लगातार लगा हुआ है । आतंकवादियों गतिविधियों, और शान्ति वार्ता के प्रस्ताव साथ साथ नहीं चल सकते । हिंसा, आतंकवाद, अलगाववाद तथा अलगाववाद, से निपटने के लिए भारत की इच्छा शक्ति भारत में इच्छा शक्ति अथवा सामर्थ्य की कमी नहीं आंकी जानी चाहिए ।

प्यारे देशवासियो, हमें एक महान भारत का निर्माण करना है । विश्व में कोई ऐसा प्राचीन देश नहीं है जिसका इतना बड़ा आकार हो, इतनी बड़ी आबादी हो तथा विविधता से इतना परिपूर्ण हो और अपने लोकतन्त्र अपनी ऐकता एवं संस्कृति को अक्षुण रखते हुए एक खुशहाल और आधुनिक भारतराष्ट्र के रूप में उभर रहा है । हमने इस दिशा में सफलता भी प्राप्त की है । इस सफलता में समाज के सभी वर्गों का योगदान शामिल है । इस समय भारत के दो बड़े उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहना है । ये है सुरक्षा और विकास । ये दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं । सुरक्षा के बिना विकास असम्भव है और विकास के बिना सुरक्षा अधूरी है । सुरक्षा अब हमें आर्थिक चुनौतियों का डट कर मुकाबला करना है । हमें विकास की प्रक्रिया को अधिक तीव्र और व्यापक बनाना

....4

183

है । ताकि भारत माता की कोई भी संतान भूखी न रहे, बेघर न रहे, बेरोजगार न रहे, बेदवा न रहे । हमें क्षेत्री तथा सामाजिक असंतुलनों को दूर करना है । हमें दलित, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग तथा अल्पसंख्यक बन्धुओं को विकास की यात्रा पर भागीदारी बनाना है । इसलिए आइए हम सब मिलकर यह संकल्प करें कि इस दशक को हम विकास का दशक बनायेंगे । इस संकल्प को पूरा करने के लिए हमने यह निश्चय किया है कि हम अगले दस वर्षों में भारत में प्रति व्यक्ति आय को दुगना करेंगे ।

प्यारे देशवासियो, इस महत्वाकांक्षी संकल्प को साकार करने के लिए हमें अपनी अर्थव्यवस्था में अनेक महत्वपूर्ण सुधार लाने होंगे । साथ ही साथ प्रशासन, न्यायपालिका, शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में भी आवश्यक सुधार करने होंगे । सुधार समय की मांग है । उदाहरण के तौर पर पिछले पचास वर्षों में दुनिया भी बदली है और देश भी बदला है । विश्व भर में दूरगामी राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन हुए हैं । परिवर्तन की अनिवार्यता को प्रगति की दिशा में मोड़ने का ही अर्थ है सुधार । आर्थिक सुधार का अर्थ है सबके जीवन में सुधार । उदाहरण के तौर पर बिजली क्षेत्र में केन्द्र और कई राज्यों द्वारा चलाये जाने वाले सुधारों से विद्युत बोर्डों का घाटा कम होगा । बिजली की चोरी रोकी जाएगी तथा उद्योग और रोजगार बढ़ाने के लिए पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध की जा सकेगी । इसी तरह दूर संचार के क्षेत्र में हम जो सुधार ला रहे हैं इससे देश के सभी भागों में सस्ते से सस्ते दाम में टेलीफोन मुबाइल फोन तथा इन्टरनेट की सुविधाएं मुहैया कराई जा सकेंगी । आर्थिक सुधारों को लेकर न किसी के मन में गलतफहमी होनी चाहिए और न कोई डर । मुझे याद है कि हरित क्रान्ति के समय में भी कुछ लोगों ने ऐसी ही डर व्यक्त किए थे जो बाद में हेतुनिराद साबित हुए । हमारी आर्थिक सुधार की परिकल्पना, अपनी परिकल्पना है आप जानते हैं कि लगभग सभी राजनीतिक दल समय समय पर केन्द्र तथा अलग अलग राज्यों में और अलग अलग प्रकार से इस सुधार प्रक्रिया को अपनाते आ रहे हैं । मैं किसानों मजदूरों, अन्न उत्पादकों और उद्योगपतियों के अलावा देश के तमाम बुद्धिजीवियों से भी आग्रह करता हूं कि आर्थिक सुधारों के प्रति आम सहमति को बनाने में योगदान दें । इस संदर्भ में मैं देश के सभी केन्द्रीय मजदूर संगठनों की विशेष रूप से सराहना करता हूं । जब तीन दिन पहले

184

में उनके नेताओं से मिला तो अत्यन्त रचनात्मक माहौल में हमारी बातचीत हुई। उन्होंने अपनी घोषित देशव्यापी हड़ताल को वापस ले लिया। आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया में मजदूरों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा। आर्थिक और सामाजिक विकास की गति को तीव्र करने और अधिक से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सरकार इस वर्ष कई बड़े और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। मैं भारत के किसानों को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने हमारी जनसंख्या में भारी वृद्धि होने के बावजूद देश में अन्न की कमी नहीं होने दी है। आज हमारे देश में अन्न की कमी नहीं है। उसे सुरक्षित रखने के लिए भण्डारों की कमी है।

हमने आजादी के बाद पहली बार एक राष्ट्रीय कृषि नीति बनाई है। इस नीति का मूल उद्देश्य हर साल चार प्रतिशत की दर से कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी हासिल करना है। कृषि क्षेत्र में गिरते हुए पूंजी निवेश को रोकने तथा उसे बढ़ाने हेतु ठोस कदम उठाये जाएंगे। पहली बार केन्द्र सरकार ने ग्रामीण सड़कें बनाने का एक सुनिश्चित और समयबद्ध कार्यक्रम तैयार किया है। शतप्रतिशत केन्द्रीय अनुदान द्वारा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत अगले तीन सालों के अन्दर एक हजार से भी ज्यादा सभी गांवों को पक्की बारह मासी सड़कों से जोड़ा जाएगा। इसी तरह अगले सात सालों में पांच सौ से ज्यादा आबादी के सभी गांवों को पक्की बारहमासी सड़कों से जोड़ा जाएगा। इस परियोजना में केवल केन्द्र सरकार, इस परियोजना में केन्द्र सरकार पहले वर्ष के लिए पांच हजार करोड़ रुपये का प्रावधान करेगी। इसका शुभारम्भ गांधी जयंती के अवसर पर किया जाएगा। राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना एक महत्वाकांक्षी कदम है। दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, चेन्नई को जोड़ने वाली, जोड़ने वाले महामार्गों को सन दो हजार ईस्वी से पहले एक चतुर्भुज सा दृश्य देखने को मिलेगा। इसको पूर्व-पश्चिम तथा उत्तर-दक्षिण के महामार्ग से जोड़ने का काम सन् 2007 तक सम्पन्न हो जाएगा। खादी ग्रामोद्योग तथा कुटीर उद्योग और छोटे उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। हम चाहते हैं कि इन क्षेत्रों को भी आर्थिक सुधारों का लाभ मिले। इसी माह की 30 तारीख को छोटे और कुटीर उद्योगों का एक राष्ट्रीय सम्मेलन होने जा रहा है, इसमें सरकार के अनेक महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की जाएगी,। थोड़े से समय में ही भारत सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक जबरदस्त ताकत के रूप में उभरा है। केवल सोफ्टवेयर निर्यात के माध्यम से ही भारतवर्ष की आय दो हजार आठ तक बढ़ कर दो लाख करोड़ रुपये से भी अधिक हो सकती है। इससे लाखों सुशिक्षित लोगों को भारत के अन्दर और

....6

विदेश में भी आकर्षक रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे । इन्फोरमेशन टैक्नॉलोजी का लाभ आम जनता तक पहुँचे इस उद्देश्य से सरकार ने पिछले दो सालों में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं तथा आगे और भी लेने वाली है । मैं चाहता हूं कम्प्यूटर और इन्टरनेट की सुविधा कम से कम समय में हरेक स्कूल और हरेक गांव तक पहुंच जाय । देश सभी ग्रामीण बस्तियों में अगले चार वर्षों में स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्प है । इस वर्ष इस क्षेत्र के लिए लगभग दो हजार करोड़ रुपये का आवंटन बढ़ा कर इस कार्यक्रम पर ज्यादा जोर दिया गया है । इस साल के अंत तक सरकार एक समग्र स्वास्थ्य नीति बनाएगी जिसका लक्ष्य होगा, सभी के लिए स्वास्थ्य । जिसके अन्तर्गत प्राथमिक चिकित्सा की सुविधाओं को हर नागरिक को उपलब्ध कराया जाएगा । आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को समुचित स्थान दिया जाएगा । हाल के वर्षों में तेजी से फैल रहा एचआईवी एड्स से हमारे देश के सामने एक गम्भीर चुनौती बना हुआ है, मैं समाज के सभी वर्गों से आग्रह करता हूं कि वे इस महामारी के बारे में जनजागरूकता लाने के कार्य में पूरी तरह से हिस्सा लें और इस बीमारी की रोकथाम के लिए अपने व्यवहार में आवश्यक बदलाव भी लायें । भावी भारत के भविष्य निर्माण में सबसे बहुमूल्य पूंजी जिसका निवेश हम लोग कर सकते हैं वह है सब बच्चों की शिक्षा । हमने यह निश्चय किया है कि सन् दो हजार दस तक आठवीं कक्षा तक सबके बच्चों को अनिवार्य रूप से शिक्षा मिले । हमने इसके लिए सर्व शिक्षा अभियान शुरू किया है । कालेज स्तर तक लड़कियों के लिए मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की गयी है । इसका लाभ सभी गरीब परिवारों को उठाना चाहिए । विज्ञान और टैक्नॉलोजी आर्थिक विकास के प्रमुख इंजन बन गये हैं । आर्थिक विकास के हरेक वाहन को इस इंजन से हमें जोड़ना होगा । इसके लिए उच्च शिक्षा और उद्योग के बीच के फासले को दूर करने के लिए सरकार ठोस योजना बना रही है ।

प्यारे देश वासियो, एक उज्ज्वल भविष्य भारत के द्वार पर दस्तक दे रहा है। लेकिन हम इस भविष्य को उतना ही हासिल कर पायेंगे जितनी मात्रा में हम अपनी राष्ट्रीय एकता पंथनिरपेक्षता, सामाजिक सदभाव तथा अपनी लोकतान्त्रिक प्रणाली को और सुदृढ़ करने में सक्षम होंगे । भारत विविधताओं वाला देश है । यहां भौगोलिक विपदाएं भाषा और बोली की विविधताएं रीति और रिवाज और परम्पराओं की विविधताएं तथा धार्मिक विविधताएं विपुल मात्रा में हैं । इन विविधताओं के बावजूद शायद इन्हीं के कारण भारत हमेशा से एक रहा है । हम एक में अनेक हैं ,

....8

और अनेक में भी एक हैं । पूरा विश्व इस बात पर आश्चर्य करता है कि भारत में केवल आज नहीं बल्कि पिछली कई शताब्दियों से इस जादू को बरकरार रखने में सफल रहा है । दुनिया के लिए ये तो जादू हो सकता है पर हिन्दुस्तानियों के लिए यही जीवन है । धार्मिक सहिष्णुता तथा घृणा का भारत की उदार संस्कृति में कोई स्थान नहीं है । मेरी सभी पंथ तथा जाति के लोगों से अपील है कि हम कल्पना के पंख खुले न करें और अपनी तलवार से ही स्वयं को घाव पहुंचाने का रास्ता न अपनाएं । खाली किन्तु दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं ने कुछ स्थानों पर साम्प्रदायिक शान्ति और सद्भाव के माहौल को बिगाड़ दिया है । सरकार किसी भी ऐसे संगठन की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगी जो साम्प्रदायिक विद्वेष की भावना फैलाते हों अथवा हिंसा में शामिल हों ।

जैसा बाबा साहेब अम्बेडकर ने कहा है, सामाजिक न्याय के बिना स्वतन्त्रता अधूरी होती है । नई सदी में भारत को ऐसी भारत की अधिक, भारत को अधिक सामाजिक न्याय की जरूरत है । परन्तु ऐसे सामाजिक न्याय की जरूरत है जिसमें सामाजिक समरसता हो । अनुसूचित जाति अनुसूचित जन जाति तथा पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण सामाजिक न्याय की गारन्टी देने वाला एक प्रमुख तत्व है । आरक्षण में कैकलॉग की समस्या काफी दिनों से थी हाल ही में हमने संविधान में संशोधन करके इस समस्या को हल किया है । महिलाएं हमारी संस्कृति और हमारी सामाजिक प्रणाली की मुख्य आधार हैं, भारत के भविष्य का हमारा सपना तभी साकार हो सकता है जब महिलाओं को शिक्षित किया जाए । आर्थिक दृष्टि से उनका विकास किया जाय उन्हें राजनीतिक दृष्टि से अधिकार संपन्न किया जाए । तथा उन्हें बड़ी भूमिका निभाने के अवसर दिए जायें । संसद और विधान मण्डलों में महिलाओं को आरक्षण देने का हमने वादा किया है । इस क्रान्तिकारी आशय को अमल में लाने के लिए आम राय बनाने के प्रयत्न में तेजी लानी होगी । ग्राम पंचायतों, नगरपालिकाओं में आरक्षित स्थानों पर चुनकर आई अनेक महिला सदस्यों और अध्यक्षों से मिलने का मुझे अवसर मिला है, उन्होंने अपने कार्य निष्पादन से यह साबित कर दिया है कि वे जनतान्त्रिक प्रक्रिया में और प्रशासन में पुरूषों से किसी तरह से कम नहीं हैं । उत्तर पूर्व राज्य के राष्ट्रीय जीवन औ र भारत के विकास

में एक विशिष्ट स्थान रखते हैं । इन राज्यों के विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में कई बाधाएं रही हैं । इन बाधाओं को दूर करने के लिए तथा विकास की गति को तेज करने के लिए अब प्रधानमंत्री कार्यालय में अब एक विशेष विभाग बनाया गया है । जो पूर्वोत्तर में विकास कार्यों की बरीकी से मोनीटरिंग करेगा । इस क्षेत्र की राज्य सरकारों तथा वां की जनता के सहयोग से परिस्थिति में सुधार हो रहा है । ये दुख की बात है कि पूर्वोत्तर के तीव्र विकास के रास्ते में सबसे बड़ी रुकावट यहां के कुछ भागों में हिंसा और उपद्रव बढ़ाने वाले उग्रवादी तत्व हैं । मैं ऐसे संगठनों के नेताओं तथा समर्थकों से आग्रह करता हूं की वे इस खतरनाक और निर्थक रास्ते को छोड़ दें । सरकार पूर्वोत्तर राज्यों में शान्ति तथा विकास की प्रक्रिया को बहाल करने के लिए कुछ संगठनों के साथ बातचीत कर रही है । मुझे विश्वास है कि इन प्रयासों को सफलता मिलेगी । भारत एक संघ राज्य है । विकास की गंगा घर घर तक पहुंचे इसमें राज्य सरकारों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण लगती है । हम सत्ता के विकेन्द्रीयकरण के हामी हैं । हमने राज्यों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार देने का फैसला किया है । हम पंचायती राज्य संस्थाओं को भी सत्ता के विकेन्द्रीकरण का हकदार बनाकर सक्षम और सुदृढ़ बनाना चाहते हैं । इस दिशा में हमने ठोस कदम भी उठाये हैं । पिछले ढाई सालो मेंकेन्द्र और राज्य सरकारों में बातचीत और समन्वय बढ़ाने के लिए हमने सतत कोशिश की है और इसमें हमें सभी राज्यों से सहयोग मिला है । इससे सहकार और सौहार्दता बढ़ी है । हमारे दृष्टिकोण और उदेदेश्य में एकरूपता आ रही है । इसकेलिए मैं सभी राज्य सरकारों तथा मुख्यमंत्रियों को धन्यवाद देना चाहता हूं । ऊंचे पदों पर विद्यमान भ्रष्टाचार के विरूद्ध अपने अभियान को हम और तेज करेंगे । प्रशासन और सार्वजनिक जीवन में स्वच्छता लाये बिना देश विकास की दिशा में अपेक्षित प्रगति नहीं कर सकता । हमारे राष्ट्रीय जीवन की एक बड़ी कमी ये रही है कि लोगों की समस्याओं का समाधान करने के लिए भी सरकार पर ये निर्भर रहते हैं जो उनके सामुहिक प्रयासों के जरिए आसानी से हल की जा सकती है । सरकार के पास साधन सीमित हैं । इसके अलावा अनुभवों से ये पता चलता है कि वे कार्यक्रम जो जनता की भागीदारी के बिना चलाया जाते हैं उनमें अपेक्षित परिणाम कम ही मिलते हैं । मिसाल के तौर पर जनसंख्या में स्थिरता हो या प्राकृत आपदाओं से मुकाबला, पानी और बिजली की बचत हो या सार्वजनिक

स्थलों को स्वच्छ और सुन्दर रखने की बात ऐसे सभी उद्देश्य तभी सफल हो सकते हैं जब सभी नागरिक उत्साह से और संगठित ढंग से अपना योगदान दें ।। प्यारे देशवासियो हमें अतीत के उज्जवल पक्षों से प्रेरणा लेनी है । लेकिन हमें कूपजीवी नहीं बनना है । मैं इस बात पर बल देना आ रहा हूं कि भारत को भविष्य की चुनौतियों तथा सुअवसर भी ध्यान देना चाहिए । विगत के विवादास्पद मुद्दों को मुद्दों में मैं नहीं उलझना चाहिए । आइए अब भविष्य की ओर देखें । हमें एक समृद्ध स्वावलम्बी और स्वाभिमानी भारत का निमार्ण करना है । हम इस दिशा में चल पड़े हैं, हम इस दिशा में आगे बढ़ेंगे । तथा सफल राष्ट्रों की पंक्ति में हमारी गिनती होने लगी है । हमें रुकना नहीं है, रफ्तार को और तेज करना है । मैं किसानों मजदूरों कर्मचारियों, नौजवानों और भारत के तमाम नागरिकों से सुखी और सम्पन्न भारत के निमार्ण में अपना योगदान देने का आवह्वान करता हूं । मैं देश के आयोजकों से भ आग्रह करता हूं वे देश के निमार्ण में अपनी योजकता और क्षमता की पताका फहरायें और दुनिया को दिखा दें कि भारत के उद्योगपति किसी भी प्रतिस्पर्द्धा में कम नहीं हैं । मैं अनवासी भारतियों से अपील करता हूं कि वे इस महान उद्देश्य में अपना भरपूर योगदान दें । मैं भारत के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से आग्रह करता हूं कि वे ज्ञान विज्ञान के नये क्षेत्र छू कर अपना और देश का नाम रोषन करें । मैं भारत के खिलाड़ियों से भी अपील करता हूं कि वे दुनिया के खेल के मैदान में तिरंगे का बुलंदी तक पहुंचायें । अगले महीने सिडनी में होने वाले ओलम्पिक खेलों में भारत के खिलाड़ियों की सफलता के लिए पूरा देश उन्हें शुभकामनाएं देता है । आईये हम सब एक परिश्रमी , भारत, पराक्रमी भारत विजयी भारत के निर्माण में अपना योगदान दें । चिर काल से हमारा उद्घोष रहा है "संवच्छध्वम् सवंदध्वम्, संवोमनासि जानताम्" यानी हम एक होकर चलें मिलकर चलें सबको मिलकार चलें, हमें सबके साथ आगे बढ़ना है औरों को भी आगे बढ़ाना है । इक्कसवीं शताब्दी को भारत की शताब्दी बनाना है । यही हमारा संकल्प है यही हमारी आकांक्षा है । धन्यवाद । मेरे साथ तीन बार जय हिन्द का उद्घोष बोलिए- जय हिन्द! जन समूह-जय हिन्द!, जय हिन्द! जन समूह-जय हिन्द!, जय हिन्द! जन समूह-जय हिन्द! । धन्यवाद ।

======